AUTOIMMUNE DISEASES

ऑटोइम्यून रोग

- Autoimmune Diseases
- Autoimmune Diseases की मॉडर्न दवाओं के साइड इफ़ेक्ट
- Autoimmune Diseases में आयुर्वेद है लाभप्रद

AUTOIMMUNE DISEASES

इससे बुरा क्या हो सकता है?

जब हमारा शरीर यह महसूस करने लगता है कि हमारे अपने शरीर के हिस्से हमारे नहीं हैं और उन पर हमला करना शुरू कर देता है, ऐसा ही कुछ होता है ऑटोइम्यून रोग में।

ऑटोइम्यून रोग तब होते हैं, जब शरीर की रक्षा प्रणाली गलती से अपनी ही स्वस्थ कोशिकाओं को मारने लगती है। इससे विभिन्न समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान (Modern Medical Science) में इसका इलाज आमतौर पर लक्षणों को नियंत्रित करने और हाइपर एक्टिव इम्यून सिस्टम को दबाने (suppress) पर केंद्रित होता है।

Symptoms

Autoimmune diseases can have different symptoms according to the target Organ. Although can show similar symptoms at early stages. These can include Fatigue, Dizziness or Lightheadedness, Low grade fever, Muscle aches and Swelling.

Most common types of Autoimmune diseases are-

- Rheumatoid arthritis (RA)
- Psoriasis/psoriatic arthritis
- Multiple sclerosis
- Systemic lupus erythematosus (SLE)
- Inflammatory bowel disease
- Addison's disease
- Grave's disease
- Hashimoto's thyroiditis
- Sjögren's disease
- Myasthenia gravis
- Celiac disease
- Autoimmune vasculitis
- Pernicious anemia
- Giant cell myocarditis
- Connective tissue diseases etc...

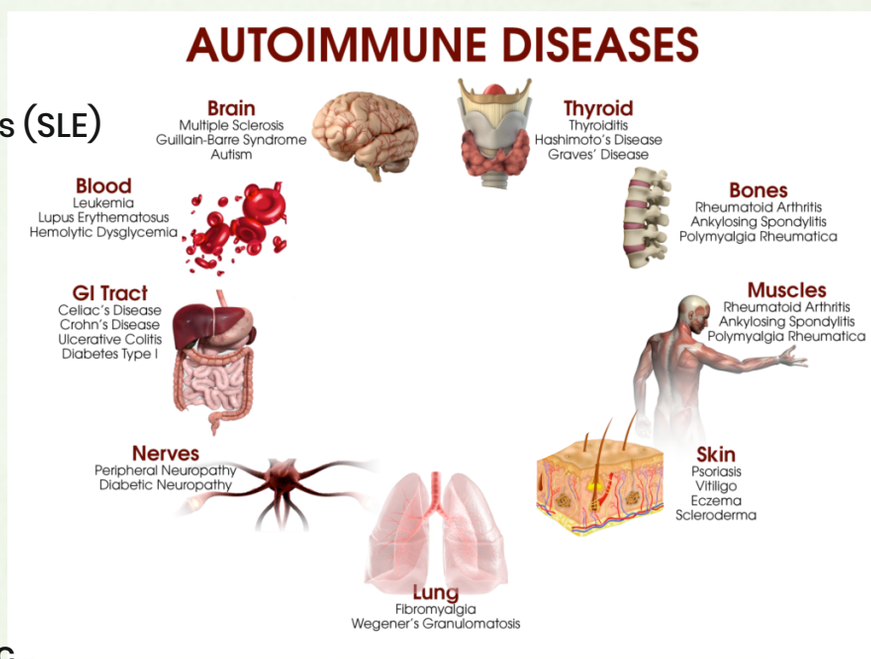

आयुर्वेद के अनुसार Autoimmune diseases क्या हैं..

आयुर्वेद के अनुसार Autoimmune disease एक ऐसी बीमारी है, जो ओजस के असंतुलन की वजह से होती है। आप सोच रहे होंगे कि ओजस क्या है..? ओजस है इम्यूनिटी..! वही इम्यूनिटी जिसके बारे में आज के समय में हर इंसान बात कर रहा है।

आइए समझते हैं कि ओजस/इम्यूनिटी बनती कैसे है..?

आयुर्वेद के अनुसार, जब भी हम कोई खाना खाते हैं या कुछ भी ग्रहण करते हैं, तो वह पाचक रस में परिवर्तित होता है। पाचक रस रक्त, मांस, मेद, अस्थि, मज्जा, और शुक्र में बदलता है, और अंत में ओजस का निर्माण होता है। हमारा शरीर विभिन्न धातुओं से मिलकर बना है।
जब भी किसी धातु में दुष्टि (धातु का असंतुलन) होती है— चाहे वह कमी हो या अधिकता—तो इसका ओजस पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है और ओजस अपना कार्य सही ढंग से नहीं कर पाता।

आचार्य जी कहते हैं की ओजस को सुधारना है, तो हमें पाचक रस पर काम करना होगा, क्योंकि यही सभी धातुओं के निर्माण की प्रक्रिया को नियंत्रित करता है। शरीर में जमे हुए टॉक्सिन्स यानी धातु की दुष्टि को ठीक करने के लिए सबसे पहले पाचक रस का पाचन किया जाता है और फिर पंचकर्म द्वारा शोधन (डिटॉक्सिफिकेशन) किया जाता है।

Autoimmune Diseases की
मॉडर्न दवाओं के साइड इफ़ेक्ट

NSAI Drugs के ज्यादा इस्तेमाल से हो सकता है MI का ख़तरा

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/books/NBK547742/#:~:text=Cardiovascular%20adverse%20effects%C2%A0can%20also%20be%20increased%20with%20NSAID%20use%3B%20these%20include%20MI%2C%20thromboembolic%20events%2C%20and%20atrial%20fibrillation.%20Diclofenac%20seems%20to%20be%20the%20NSAID%20with%20the%20highest%20reported%20increase%20in%20adverse%20cardiovascular%20events.%5B14%5D

Corticosteroid ब्लड प्रेशर को बढ़ा रहा है और कर रहा है धमनियों को अंदर से कमज़ोर

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/books/NBK547742/#:~:text=Cardiovascular%20adverse%20effects%C2%A0can%20also%20be%20increased%20with%20NSAID%20use%3B%20these%20include%20MI%2C%20thromboembolic%20events%2C%20and%20atrial%20fibrillation.%20Diclofenac%20seems%20to%20be%20the%20NSAID%20with%20the%20highest%20reported%20increase%20in%20adverse%20cardiovascular%20events.%5B14%5D

"DMARDs से बढ़ता है साधारण से जानलेवा इन्फेक्शन का ख़तरा

Including bacterial, fungal and viral infections.
Reactivation of tuberculosis, herpes zoster, hepatitis.
Bone marrow suppression Hepatotoxicity.

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/books/NBK507863/#:~:text=The%20most%20concerning,with%20biologic%20DMARDs

ऑटोइम्यून डिज़ीज़ में दी जाने वाली मॉडर्न मेडिसिन से हो सकती है रीनल टॉक्सीसिटी और गैस्ट्रिक अल्सर

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC5506195/

हो सकते हैं Serious Infection

https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/16011443/#:~:text=adalimumab%20are%20injection,reactivation%20of%20tuberculosis

पूरे भारत में हमारे 80+ क्लीनिक व 40+ से अधिक हॉस्पिटल व डे केयर सेंटर हैं

स्वर्गीय राजीव दीक्षित जी

क्या आप अस्थमा रोग से परेशान हैं ?

जीना सीखो आयुर्वेद हॉस्पिटल में पाएँ किडनी स्टोन की समस्या का समाधान

आज ही अपनी अपॉइंटमेंट बुक करें।

कॉल करें: 82704-80704

AUTOIMMUNE DISEASES में आयुर्वेद है लाभप्रद

समदोषः समाग्निश्च समधातु मलः क्रियाः।
प्रसन्न आत्मेंद्रिय मनः स्वस्थ्यइतिअभिधीयते॥

आयुर्वेद के अनुसार, ऑटोइम्यून विकार का कारण कमजोर अग्नि (पाचन शक्ति) होता है, जो 'आम' (अवशिष्ट) के रूप में एंडोटॉक्सिन उत्पन्न कर सकती है। यह 'आम' ऐसे अणुओं से भरा होता है, जो हमारे स्वस्थ ऊतकों के आकार और संरचना की नकल करते हैं। ये टॉक्सिन्स हमारे इम्यून सिस्टम द्वारा लक्षित होते हैं, जिससे शरीर के अन्य ऊतकों पर भी असर पड़ता है। इस प्रकार, ऑटोइम्यून रोग शुरू होता है।

ऑटोइम्यून विकार में विभिन्न धात्वाग्नियां शामिल होती हैं, जो धातुओं या संबंधित स्रोतों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। जब अग्नि सामान्य धातुओं के खिलाफ होती है, तो यह धातुओं और उनके अवयवों को नष्ट कर देती है। सामान्य स्वास्थ्य में, अग्नि पर दोष, धातु, मल और ओजस का नियंत्रण होता है। लेकिन जब ऑटोइम्यून विकार होता है, तो यह नियंत्रण खत्म हो जाता है।

ऑटोइम्यून विकारों में हम देख सकते हैं कि पित्त प्रधान संरचना वाले व्यक्तियों को ऑटोइम्यून रोग जल्दी हो सकते हैं। लेकिन पित्त अकेले काम नहीं करता। जब पित्त के उच्च स्तर में वात दोष बढ़ता है, तो यह अग्नि पर हवा की तरह प्रभाव डालता है। इससे टॉक्सिन्स पूरे शरीर में फैल जाते हैं। अंत में, अग्नि किसी कमजोर जगह पर जमा हो जाती है, जिससे वहां रोग बढ़ता है।

प्रारंभिक चरण में नियमित Healthy Lifestyle और विरुद्ध आहार के कारण मल का संचय और कमजोर जठराग्नि के नाश की प्रक्रिया शरीर में आम के रूप में आरंभ होती है। द्वितीय चरण में पित्त की प्रधानता के कारण अग्नि भव की स्थिति में नाश, धातु कार्य का नाश, धातुक्षय और इम्युनिटी का कम होना होता है। इस चरण में सूजन होती है। ऑटोइम्यून विकार के Advanced Stage में वात प्रकोप की वजह से बीमारी अनियंत्रित रूप से आगे बढ़ती है। अग्नि अपने नियंत्रण से बाहर हो जाती है और यह अतिरिक्त धातुपाक बन जाती है। यह अतिरिक्त धातुपाक और एक साथ कई समांगों के विकार के लिए जिम्मेदार होती है।

Autoimmune Bullous Skin Disease Managed with Ayurveda
https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC5726192/#:~:text=There%20was%20marked,day%20of%20discharge

SLE का आयुर्वेद में ईलाज
https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC6938929/#:~:text=She%20responded%20well,%5D

Panchakarma therapy से autoimmune pancreatitis (AIP) में सुधार
https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC8078606/